राष्ट्रीय जन कांग्रेस में भारत के बारे में चर्चा की गई थी; और

(ख) क्या इस कांग्रेस में प्रेक्षक के रूप में किसी भारतीय ने भाग लिया ?

DISCUSSION ON INDIA AT THE SECOND NATIONAL PEOPLE'S CONGRESS OF CHINA

169. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government are aware that a discussion on India was held at the Second National People's Congress of China heM in Peking in March, 1962; and

(b) whether any Indian attended this Congress as an observer?]

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू): (क) जी नहीं। भारत सरकार को यह पता नहीं है कि मार्च-अप्रैल, १९६२ में जो दूसरी राष्ट्रीय लोक कांग्रेस पेकिंग में हुई थी, उसमें भारत के विषय पर कोई चर्चा की गई थी। इस कांग्रेस के अधिवेशन गोपनीय रखे गये थे और किसी विदेशी राजनयिक अथवा गैर-राजनयिक पर्यवेक्षकों को इनमें उपस्थित होने की अनुमति नहीं थी। फिर भी, कांग्रेस की समाप्ति पर जो अधिकृत विज्ञप्ति जारी की गई थी, उसको देखने से यह पता चला कि दिसम्बर, १९६१ और मार्च, १९६२ के दौरान में चीन और भारत की सरकारों के बीच भेजे और प्राप्त किये गये २२ नोटों की और सीमा के प्रश्न पर चीन तथा भारत के सरकारी कर्मचारियों के प्रतिवेदन की प्रतियां कांग्रेस के प्रतिनिधियों को बांटी गई थीं। यह मालूम नहीं कि कांग्रेस में इन प्रलेखों के वितरण के बाद कोई विचार-विमर्श हुआ या नहीं।

(ख) जी नहीं।

f[ ] Eng'ish translation.

UTHE PRIME MINISTER **m* MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI JAWAHARLAL NEHRU): (a) No, Sir. The Government of India are **ant** aware that there was any discussion on India at the Second National People's Congress held in Peking in March-April 1962. The sessions of this Congress were secret and **110** foreign diplomatic or non-diplomatic observers were allowed to attend them. However, it has **'seen** noticed from the official communique issued at the conclusion of the Congress that copies of 22 notes exchanged between the Chinese and Indian Governments between December 1961 and March 1962 as **well'** as the Report of the Chinese **and** Indian Officials on the border question had been distributed to **the** delegates of the Congress. It is **not** known whether any discusskna followed the circulation of these documents at the Congress.

(b) No, Sir.]

गोआ में आयात पर रोक

१७०. **श्री भगवत नारायण झा आजाद:** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हाल ही में गोआ में कुछ वस्तुओं का आयात बन्द कर दिया गया है; और

(ख) यदि हां, तो किस कारण से और किन किन वस्तुओं का आयात बन्द किया गया है ?

BAN ON IMPORTS TO GO A

170. SHRI B. N. BHARGAVA: ***WUl*** the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that **the** import of some articles in G'oa **has** recently been stopped; and

<l if so, what are the reasons therefor and what are the articles the *import* of which has been stopped?]

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) : (क) और (ख). जी हां । भारत सरकार ने गोआ में सोना, मोटर गाड़ियों, घड़ियों (१०० रु० से अधिक मूल्य की), सिगरेट लाइटर, ट्रांसिस्टर रेडियो, रेफ्रीजरेटर और फाउंटेन पैन (२५ रु० से अधिक मूल्य के) के आयात पर रोक लगाई है । इनमें से कुछ वस्तुएं भारत में चोरी-छिपे लाई जाया करती थीं । गोआ में आजकल मोटर गाड़ियों और अन्य वस्तुओं का जो स्टाक है, वह स्थानीय आवश्यकता से ज्यादा है । इसके अलावा, यह उचित भी नहीं है कि ऐसी इन वस्तुओं को बाहर से मंगाने पर विदेशी मुद्रा खर्च की जाये, जबकि इनमें से कुछ वस्तुएं भारत में ही बनाई जाती हैं ।

IJTHE PRIME MINISTER AND MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI JAWAHARLAL NEHRU): (a) and (b) Yes^ *ST.* The Government have banned the import of gold, automobiles, watches (of over Rs. 100 in value), cigarette lighters, transistor radios, refrigerators and fountain pens (of over Rs. 25 in value) into Goa. Some of these articles used to •be smuggled into India. The stocks of automobiles and other goods presently in Goa are more than adequate for local use. Moreover, it is not considered desirable to spend foreign exchange on import of these luxury goods, some of which are anamifaclured in India.]

गांधीजी की रेडियो जीवनी

१७१. **श्री भगवत नारायण भार्गव** : क्या सूचना तथा प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गांधीजी की रेडियो जीवनी तैयार करने के उद्देश्य से जो गांधी कार्यक्रम एकक स्थापित किया गया था उसने ३१ मार्च, १९६२ तक कितना काम किया; और

(ख) क्या गांधीजी के समकालीन लोगों के संस्मरण रिकार्ड किये गये हैं; और यदि हां, तो किन किन लोगों के संस्मरण रिकार्ड किये गये हैं ?

f[ ] English Translation.

RADIO BIOGRAPHY OF GANDHIJI

171. SHRI B. N. BHARGAVA: Will the Minister of INFORMATION' AND BROADCASTINC be pleased to state:

(a) the work done up to 31st March, 1962 by the Gandhi Programme Unit set up for preparing the Radio Biography of Gandhiji; and

(b) whether the memoir$_s$ of the contemporaries of Gandhiji have been recorded and if so, the names of the persons whose memoirs have been recorded?]

सूचना तथा प्रसारण मंत्री (डा० बी० गोपाला रेड्डी) : (क) आकाशवाणी के मुख्यालय में अलग गांधी कार्यक्रम टुकड़ी बाकायदा फरवरी, १९६२ के अन्तिम सप्ताह में ही खोली गई थी । परन्तु आकाशवाणी काफी पहले से ही गांधीजी के सम्बन्ध में कार्यक्रमों को तैयार और प्रसारित करता रहा है । अब तक इस बारे में आकाशवाणी ने जो काम किया है उसका संक्षिप्त ब्यौरा, एक सूची में दिया हुआ है, जो सभा की मेज़ पर रख दी गई है ।

(ख) पिछले कई वर्षों में गांधीजी और उनकी विचारधारा पर आकाशवाणी के सब केन्द्रों से विभिन्न भाषाओं में जिन लोगों ने ब्राडकास्ट किये हैं या जिनके संस्मरण रिकार्ड किये गये हैं, उन सब की सूची तैयार करने में काफी समय लगेगा और इस में जो श्रम और समय लगेगा उसका उतना लाभ भी नहीं निकलेगा । फिर भी, जब गांधी कार्यक्रम टुकड़ी आकाशवाणी के गांधीजी सम्बन्धी उपयोगी रिकार्डों की सूची तैयार कर लेगी, तो उसे जब सदस्य देखना चाहेंगे, देख सकेंगे ।